वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :2 अंक : 282 | मंगलवार 7 फरवरी 2023 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

वसुंधरा राजे ने की स्कूटी की सवारी

गांव में दौरे के बीच मिलीं लड़कियां बोलीं-आपने ही दी थी

जयपुर. कासं

राजस्थान में चुनावी साल शुरू होने के साथ ही पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे ग्राउंड पर सक्रिय हो गई हैं। मेवाड़-वागड़ दौरे के दूसरे दिन सोमवार को राजे ने डूंगरपुर में बीजेपी कार्यकर्ताओं से फीडबैक लिया। इस दौरान करीब 12 बजे चितरी गांव में राजे स्कूटी सवार कुछ लड़कियों से मिलीं। लड़कियों ने कहा- यह स्कूटी पूर्व बीजेपी सरकार में आपने ही दी थी। इसके बाद राजे एक लड़की की स्कूटी पर बैठकर मुख्य मार्ग तक गईं। वहां से वो उदयपुर के लिए रवाना हो गईं। लड़कियों के साथ स्कूटी की सवारी करने पर राजे ने ट्वीट करते हुए कहा- डूंगरपुर के चितरी गांव में कार्यक्रम के दौरान सरकार की स्कूटी योजना से लाभान्वित बिटिया अर्पिता पाटीदार व अन्य बच्चियों से मिलकर अच्छा लगा। बालिका

शिक्षा को बढ़ावा देने के उद्देश्य से हमने यह पहल की थी, इससे बच्चियों को मिली सहूलियत की लिए उन्होंने आभार जताया। इससे पहले रविवार को राजे अपने तीन दिवसीय प्रवास पर उदयपुर पहुंची थीं। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने उनका स्वागत किया था। इसके बाद राजे अपने समर्थकों के साथ सड़क मार्ग से डूंगरपुर के लिए रवाना हुई थीं। यहां बेणेश्वर मेले में शामिल होने के बाद डेढ़ किलोमीटर तक पैदल चल राधा-कृष्ण मंदिर पहुंची थीं। उन्होंने महंत अच्युतानंद महाराज का आशीर्वाद लिया और करीब डेढ़ घंटे तक पूजा-अर्चना की थी। मेले में हुई सभा में राजे ने कहा था- मुझे लगता है कि अब भी बहुत कुछ करना है। महाराज के आशीर्वाद से हम सब को यह विश्वास है। आज नहीं तो कल, कल नहीं तो परसों मावजी महाराज के आशीर्वाद से यह काम होने वाला है। बस आप लोग अपना आशीर्वाद बनाए रखो। मेले में आदिवासी महिला के आग्रह पर राजे ने तीर-कमान भी चलाया। उन्होंने कहा कि कोई लक्ष्य मनुष्य के साहस से बड़ा नहीं। पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे अपने तीन दिवसीय दौरे के तहत 7 फरवरी तक डूंगरपुर, उदयपुर, बांसवाड़ा जिलों में रहेंगी। रविवार को राजे उदयपुर और डूंगरपुर दौरे पर रहीं। सोमवार को डूंगरपुर के सागवाड़ा से उदयपुर के लिए रवाना हो गई थीं। उदयपुर में सामाजिक कार्यक्रमों में शामिल हुईं। उदयपुर में ही रात्रि विश्राम करेंगी। मंगलवार शाम राजे जयपुर पहुंचेंगी।

राजस्थान के प्राइवेट स्कूल ने खोला सरकार के खिलाफ मोर्चा

बोले- प्राइवेट एजुकेशन इंस्टीट्यूशन रेगुलेटरी अथॉरिटी बिल में करें संशोधन, नहीं तो करेंगे आंदोलन

जयपुर. कासं।

राजस्थान के प्राइवेट स्कूल्स ने सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। प्रोग्रेसिव स्कूल एसोसिएशन के बैनर तले प्रदेशभर के स्कूलों ने प्राइवेट एजुकेशन इंस्टीट्यूशन रेगुलेटरी अथॉरिटी बिल 2023 का विरोध शुरू कर दिया है। स्कूल संचालकों ने कहा कि सरकार गलत तरीके से स्कूलों पर दबाव बनाना चाहती

है। जिसे हम किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं करेंगे। सीडलिंग स्कूल के संदीप बख्शी ने बताया कि सरकार के इस बिल के माध्यम से प्राइवेट स्कूलों पर नियंत्रण के लिए विनियामक प्राधिकरण का गठन करने जा रही है। जिसका खर्चा उठाने के लिए सरकार प्राइवेट स्कूलों की 1% फीस वसूल करेगी। इसी तरह अगर सरकार द्वारा गठित कमेटी किसी स्कूल पर कोई सजा का प्रावधान करती है। तो उसकी सुनवाई का अधिकार भी सिविल कोर्ट को नहीं होगा। वहीं RTE के तहत प्राइमरी कक्षाओं जैसे नर्सरी, क्रेजी और प्रेप में 25% सीटों पर स्टूडेंट्स को एडमिशन देने का तुगलकी फरमान जारी कर दिया गया है। जिस्म फर्स्ट क्लास तक आने तक बच्चों का खर्चा भी सरकार वहन नहीं करेगी।

मिलाप चन्द डंडिया 'पत्रकार शिरोमणि' सम्मान से सम्मानित

फिरोजाबाद. शाबाश इंडिया। अ.भा.जैन पत्र संपादक संघ एवं समन्वय वाणी फाउंडेशन के न्यासी अध्यक्ष हम सबके प्रेरणाश्रोत मिलाप चन्द डंडिया को श्रुतसेवा निधि न्यास के अक्षराभिषेकोत्सव - 2023 समारोह के अवसर पर फिरोजाबाद में 'पत्रकार शिरोमणि' सम्मान से सम्मानित किया गया। हमें आप जैसे वरिष्ठ पत्रकार का वरदहस्त प्राप्त है जो गौरव का विषय है। आपका सहयोग व साथ इसी प्रकार बना रहे यही कामना है। आप शतायु हों, बधाई एवं शुभकामनाएं। -**जर्नलिस्ट डा.अखिल बंसल, महामंत्री**

ग्यारह गजरथ की फेरी हुई शाही पंचकल्याणक महामहोत्सव में

ऐतिहासिक त्रिकाल चौबीस सहस्त्र कूट की हुई प्रतिष्ठा

ज्ञान करना तो सरल है लेकिन करनी रुप ज्ञान करना बहुत कठिन है : मुनि पुंगव श्री सुधा सागर जी

ललितपुर. शाबाश इंडिया। ऐतिहासिक पंच कल्याणक महा महोत्सव के लिए आप ने किसी ना किसी निमित्त का आलवन लिया लेकिन जो महान पुरुष होते हैं वे हमें कुछ ना कुछ करने का मौका देते है। लाखों वर्ष पूर्व भगवान ऋषभदेव ने जो किया उसको हम करके कितने आनंदित हो रहें हैं। उनके पद चिन्ह इतने अमिट हो गये कि उन पर चलकर आनंदित हो रहें हैं। ललितपुर के इस ऐतिहासिक कार्यक्रम ने अपना नाम इतिहास में दर्ज करा दिया। उपलब्धि होती है वह मील का पत्थर साबित हुई उक्त आश्य के उद्गार श्री मद् जिनेन्द्र त्रिकाल चौबीस सहस्त्र कूट नंदीश्वर दीप पंचकल्याणक महोत्सव के समापन समारोह को संबोधित करते हुए मुनि पुगंव श्री सुधासागरजी महाराज ने व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि इस कलिकाल में एकता ही बल है जिसे आप लोगों ने किया मात्र कथनी नहीं करनी रुप ज्ञान करना तो बहुत सरल रहता है लेकिन करनी रुप ज्ञान करना बहुत कठिन है ।भगवान ने करनी की है कभी भी बात करने से कुछ नहीं होता क्रिया करने से कुछ बात बनती है। खेत में बीज का वपन करने पर ही फसल आतीं हैं तन मन धन से सेवा करने पर परिणाम आता है।

सात मंजिला भव्य गुफा में जिन मन्दिर की हुई प्रतिष्ठा: विजय धुर्रा

मध्यप्रदेश महासभा संयोजक विजय धुर्रा ने महोत्सव के सीधे प्रसारण में कहां कि ललितपुर पंचकल्याणक का आज उद्यापन अवसर पर 11 गजरथ महोत्सव का भव्य आयोजन हुआ। बहुत लंबे समय बाद गजरथ देखने को मिले। वही हीरा मोती गजों की जोड़ी जो 1992 में अशोकनगर गजरथ में शामिल हुये थे। अशोकनगर का रथ भी इस महोत्सव की शोभा बढ़ा रहा था। इससे अशोकनगर के सप्त गजरथ महोत्सव की याद भी ताजा हो गयी। इस महोत्सव में रजत रथ, जैन आर्मी दल, 225 स्वर्ण कमलों की रचना, 8000 इन्द्र-इन्द्राणियां विशेष आकर्षण का केंद्र रही। मुनिश्री सुधासागर जी महाराज के परम सानिध्य में यह महामहोत्सव संपन्न हुआ। प्रतिष्ठाचार्य प्रदीप भैया सुयस अशोकनगर थे। मुनिश्री की प्रेरणा से ललितपुर नगर में अभिनन्दनोदय तीर्थ की स्थापना हुई है जो अदभुत और विश्व में अपने तरह का पहला तीर्थ है। 7 मंजिला गुफा भव्यता दर्शा रही है। वहीं 7000 किलोग्राम का बड़ा भारी घंटा, 125 किलोग्राम चांदी से निर्मित भव्य छत्र और त्रिकाल चौबीसी, रजत प्रतिमाएं, 125 मीटर उतंग ध्वज, नंदीश्वर जिनालय, सहसत्रकूट जिनालय भव्यता का प्रतीक हैं। इस पंच कल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव में 1375 जिनबिम्बों की प्रतिष्ठा मुनिश्री सुधासागर जी महाराज एवं मुनिश्री पूज्यसागर जी महाराज, श्री धैर्य सागरजी,

श्री गंभीरसागर जी महाराज के कर कमलों से हुई। उन्होंने कहा कि भवनत्रिक का पंच कल्याणक में कोई काम नहीं है बस इस निर्वाण कल्याणक पर आते हैं ऐसे ही अष्ट कुमारी हैं वे अष्ठ कुमारी नहीं है वे अष्ठ कुमारी तो असंख्य होती है जो माता की सेवा करते हैं अंतिम नियोग मात्र अग्नि कुमार देव संस्कार करेंगे वो भस्म इतनी पावन होती है असकी वंदना की जाती है इससे शरीर पावन होता है ये पांच अंगों में धारण की जाती है भगवान को साक्षी पने की भी अनुभूति हो रही है ऐसे ही नहीं मिल जाता ये काया ये माया ये बालक जन्म से ही इतना पवित्र था कि इसे सौधर्म इन्द्र सुमेरू पर्वत पर ले जाकर न्वहन कराते हैं किसी को सूतक नहीं लगता । धन्य हैं प्रभु जिन्होंने कभी धरती माता को अशुद्ध नहीं किया । जन्म से उन्होंने एक कण को भी किसी स्थान को गंदा नहीं किया ऐसे परम पावन थे भगवान।उनके शरीर से कभी मल नहीं औनिकलता ऐसी परम पावन पवित्र दशा प्राप्त हुई।

प्यार का पर्व है वैलेंटाइन वीक

जर्नलिस्ट डा.अखिल बंसल

वैलेंटाइन डे अर्थात प्यार का खुशनुमा पर्व। हर वर्ष की भांति 7 से 14 फरवरी तक प्यार का एहसास कराता यह साप्ताहिक पर्व मनाया जाता है। इस दिन का शुभारंभ 5 वीं शताब्दी में एक रोमन फेस्टिवल के रूप में हुआ था। वर्ष 496 में पहली बार वैलेंटाइन डे मनाया गया तब से आज तक यह दिन प्यार के दिन के रूप विख्यात हो गया। प्यार एक ऐसा शब्द है जिससे व्यक्ति को पोजेटिव एनर्जी प्राप्त होती है। यदि किसी को किसी से प्यार हो जाता है तो उसे जो आंतरिक खुशी प्राप्त होती है वह अकथनीय है। प्यार में व्यक्ति अपनी सुध बुध खो पागल सा हो जाता है। सच कहा जाए तो उसे मानसिक संतुष्टि प्यार में ही प्राप्त होती है। प्यार एक गहरी पसंद का रूप है जिसे प्रेम, इश्क,लव और मोहब्बत भी कहा जाता है। सच कहें तो प्यार एक भावना का रूप है जो किसी का किसी से भी हो सकता है। प्यार ढाई अक्षर का नाम है जो त्याग और विश्वास की ऐसी डोर है जिसे शब्दों में व्यक्त नहीं किया जा सकता। 14 फरवरी को संत वैलेंटाइन का बलिदान दिवस है,इस दिन प्यार करने वाले लोग वैलेंटाइन को याद करते हैं तथा एक दूसरे के साथ प्यार बांटते हैं। इसका शुभारंभ 7 फरवरी को रोज डे से होता है। इस दिन पार्टनर एक दूसरे को गुलाब का आदान प्रदान कर जिंदगी को खुशनुमा बनाते हैं । इससे उनमें प्यार और उत्साह की लहर का संचार होता है।

8 फरवरी को प्रपोज डे होता है। इस दिन कोई भी अपने खास व्यक्ति को अपनी भावनाओं का अर्थात अपने प्यार का इजहार करता है। 9 फरवरी को चाकलेट डे होता है। चाकलेट सबको प्रिय होती है जिसकी गिनती सबसे मीठे उपहारों में होती है। इस उपहार को देने से अपनेपन की गर्माहट मिलती है। 10 फरवरी अर्थात टेडी डे । इस दिन पार्टनर बड़े छोटे प्यारे से मुलायम टेडी को उपहार में देते हैं जो एक परफेक्ट गिफ्ट के रूप में जाना जाता है। सही मायने में यह बचपन को तरोताजा करने का दिन है। 11 फरवरी प्रोमिस डे का दिन है। प्रेमी प्रेमिका इस दिन साथ रहने का वायदा करते हैं। प्यार में एक दूसरे का साथ निभाना प्रत्येक प्रेमी युगल का सपना होता है। प्यार कम न होने का वायदा हर पार्टनर को असीम खुशियां देता है। पति भी अपनी पत्नी से प्रोमिस कर सकते हैं और कह सकते हैं तुम्हारी हर समस्या मेरी है। मैं तुमसे मरते दम तक प्यार करता रहूंगा। मैं तुम्हारे साथ मिलकर बेहतर जीवन का निर्माण करूंगा। 12 फरवरी हग डे अर्थात गले लगाने का प्यारा दिन है। इस दिन प्रेमी प्रेमिका अपने पार्टनर को बाहों में भर कहकर गले लगाते हैं और अपनी भावनाओं को व्यक्त करते हैं। फिर आता है 13 फरवरी जिसे किसी डे कहा जाता है। यह दिन प्यार लुटाने का दिन कहलाता है। प्रेमी युगल एक दूसरे को किस कर प्यार का खजाना लुटाते हैं। आप भी अपने जीवन साथी पर प्यार लुटा सकते हैं। 14 फरवरी को वीक का अंतिम दिन आता है। प्रेमी युगल इस दिन पूरे जोश, उत्साह व उमंग के साथ प्यार का यह पर्व मनाते हैं।

गर्भ कल्याणक की क्रियाओं के साथ माता की हुई गोद भराई

पथरिया/दमोह. शाबाश इंडिया

विरागोदय महामहोत्सव मे पंचकल्याणक के द्वितीय दिवस प्रातःकाल श्रीजी अभिषेक, शांतिधारा के साथ पंचकल्याणक में सम्मिलित महापात्रों ने श्री यागमण्डल विधान की महाअर्चना विश्व कल्याण की मंगलकामना के साथ प्रतिष्ठाचार्य भागचंद के निर्देशन में सम्पन्न हुआ।साथ ही आचार्य भगवान के मंगल प्रवचन के साथ श्रमण मुनि श्री विहर्ष सागर जी के प्रवचन का भी लाभ मिला।

विराग अहिंसा द्वार का हुआ लोकार्पण

कमलाकर मुख्य जिनालय मंदिर के प्रमुख द्वार विराग अहिंसा द्वार का लोकार्पण पूज्य गणाचार्य श्री विराग सागर जी,आचार्य विशुद्ध सागर जी,आचार्य विनिश्चय सागर जी एवं सभी साधुओं के मंगल आशीर्वाद एवं प्रेरणा से राहुल जैन अहिंसा करहल उत्तरप्रदेश के करकमलों से फीता काटकर किया गया उन्ही ने इसका निर्माण कराया है। मुख्य द्वार पर विशालकाय घंटा देवेंद्र जैन बीना वालो ने लगवाया। दोपहर कालीन वेला में राष्ट्रीय ज्योतिष सम्मेलन आयोजित हुआ जिसमें देश के ख्यातिप्राप्त ज्योतिषाचार्य समिलित हुए सभी का सम्मान समिति द्वारा किया गया।उसके उपरांत पंचकल्याणक के पात्र माता मरुदेवी

जिनकी संख्या 81 है उन सभी की गोदभराई भी सभी श्रद्धालुओं ने की। साथ ही आचार्य विमर्श सागर जी के मंगल प्रवचन में उनकी विशेष रचना जीवन हैं पानी की बूंद की कविताओं सुनने का लाभ प्राप्त हुआ । इस अवसर पर गणाचार्य श्री 108 विराग सागर जी ने गर्भकल्याणक की महिमा का भी बखान किया जिसे श्रद्धालु ध्यान मगन होकर सुन रहे थे।

आज होगा आदिकुमार का जन्मोत्सव

मीडिया समिति के राजेश रागी एवं रोहित जैन ने बताया मंगलवार को प्रातः 7 बजे भगवान आदिकुमार का जन्म होगा और 10 बजे विशाल शोभायात्रा जलूस निकाला जाएगा । जिसमें हाँथी पालकी,अश्व रथ,दिव्यघोष, बेंड पार्टी, वाहनों के साथ हजारों श्रद्धालुओं के साथ विरागोदय से नगर के सभी मुख्य मार्गो से होती हुई विरागोदय वापिस आएगी। एक बजे जन्माभिषेक होगा।

सुकन मुनि और संतो के पधारने पर मिश्रीमल जी महाराज के अस्थिकलश स्मारक को भव्य रूप मे निर्माण किया जाएगा

एस एस मरूधर केसरी भवन मे लाखों रुपए की दानताओं ने राशि देने कि घोषणा की

पुष्कर. शाबाश इंडिया। मरूधर केसरी पारमार्थिक समिति मे पधारने पर अखिल भारतवर्षीय मरूधर केसरी पारमार्थिक समिति कि प्रवर्तक सुकनमुनि महाराज के सानिध्य व समिति के चैयरमैन नरेश बोहरा कि अध्यक्षता तथा अध्यक्ष प्रकाशमल लोढ़ा के नेतृत्व मे सोमवार को समिति मे पदाधिकारियों और सदस्यों कि मीटिंग रखी गई। इस दौरान समिति के महामंत्री संजय जैन ने जानकारी देते हुये बताया कि प्रवर्तक सुकनमुनि महाराज,युवा प्रणेता महेश मुनि,बालयोगी अखिलेश मुनि आदि ठाणा के पुष्कर समिति मे पधारने पर समिति के चैयमेन नरेश बोहरा ने मरूधर केसरी मिश्रीमल जी महाराज के अस्थिकलश स्मारक को नये परिवेश मे पारमार्थिक समिति मे भव्य एवं ऐतिहासिक रूप निर्माण के साथ ही नवनिर्मित श्री एस एस मरूधर केसरी भवन के प्रवेश द्वार को बनाने की घोषणा की। तथा खवासपुरा चैन्नई निवासी एम अशोक कोठारी, सुरेशचन्द लुणावत, प्रसन्नचन्द संचेती,शिखरचन्द सिंघवी, ताराचन्द कर्नावट,विजयराज मूगदिया,माणकचन्द सिसोदिया महावीर सोजतिया, संजय मूथा, प्रकाशमल लोढ़ा,राजेन्द्र संखलेचा,दौलतराज. सम्पतराज कोठारी, कुशलचन्द चौपड़ा, पवनराज झामड़,विमलचन्द मूथा आदि सभी पदाधिकारियों ने राशि एस एस मरूधर केसरी भवन मे देने की घोषणा की गई । इस दौरान प्रवर्तक सुकनमुनि महाराज ने मीटिंग मे गुरू मिश्रीमल जी महाराज के जीवन पर प्रकाश डालते हुये बताया मरूधर केसरी महाराज लब्दीधारी महापुरुष थे। उनके वचन हमेशा फलीभूत होते । जो व्यक्ति उनके दर्शन और मंगल पाठ ले लेता उसके बिगडे काम बन जाया करते है। पुण्य और परमार्थ के काम के लिये दिया गया धन कभी किसी व्यक्ति का निरर्थक नही जाने वाला उसका प्रतिफल प्राप्त करने के साथ ही मानव जीवन को भी सफल बना लेता है। समिति के महामंत्री संजय जैन, सहमंत्री रतनलाल दरड़ा ने समिति मे अर्थ सहयोग देने का आभार व्यक्त किया। प्रवक्ता सुनिल चपलोत ने बताया कि मंगलवार को सभी जैन संत अजमेर के राधा विहार मे मुगदिया हाऊस प्रेम विला मे प्रातः पधारेंगे।

समाज सेवा की भावना हर युवा में होनी चाहिएः डॉ जोशी

जयपुर. शाबाश इंडिया। राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष डॉ सी पी जोशी ने कहा कि युवा पीढ़ी में समाज सेवा की भावना होना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि देश हमारा है, देश का निर्माण करना है। राष्ट्रीय सेवा योजना का विस्तार देश की प्रगति के लिए आवश्यक

है। राजस्थान विधानसभा में अध्यक्ष से राष्ट्रीय सेवा योजना के पदाधिकारियों ने मुलाकात की। राष्ट्रीय सेवा योजना की ओर से डॉ जोशी का पौधा देकर और साफा, शॉल पहनाकर सम्मान किया गया। इस मौके पर उच्च शिक्षा मंत्री राजेंद्र यादव, विधायक नरेंद्र बुडानिया, विधानसभा के प्रमुख सचिव, महावीर प्रसाद शर्मा भी मौजूद थे। राष्ट्रीय सेवा योजना के क्षेत्रीय निर्देशक एस पी भटनागर, ने राष्ट्रीय कार्यक्रम की जानकारी दी डॉ धर्मेंद्र सिंह चाहर, राज्य संपर्क अधिकारी, शासन सचिवालय ने सभी का धन्यवाद दिया। विधान सभा अध्यक्ष डॉ सी पी जोशी ने डॉक्टर सरोज मीणा(राष्ट्रपति अवॉर्डी) डॉ विशाल गौतम कंटिजेंट लीडर, राजस्थान गणतंत्र दिवस परेड शिविर, नई दिल्ली, मनीष बैरवा (राष्ट्रपति अवॉर्डी) रिनीका कंवर, रिया कुमारी, ललित तिवारी को स्मृति चिन्ह भेंट किया गया।

श्री वैष्णव समाज युवा सेवा समिति नसीराबाद के तत्वावधान में

सामूहिक विवाह सम्मेलन 22 अप्रेल (अक्षय तृतीया) को श्री बामणिया बालाजी धाम पर

रोहित जैन.शाबाश इंडिया।

नसीराबाद । श्री वैष्णव समाज युवा सेवा समिति नसीराबाद की बैठक अध्यक्ष बजरंग वैष्णव बेहडा की अध्यक्षता मे श्री बामणिया बालाजी धाम मन्दिर पर रखी गई। बैठक मे सर्वे सहमति से 22 अप्रैल (अक्षय तृतीया) को सामूहिक विवाह सम्मेलन रखने का प्रस्ताव पारित किया गया। बैठक मे सर्वे सहमति से सम्मेलन अध्यक्ष कैलाश वैष्णव नान्दला को बनाया गया । बैठक मे हाथो हाथ सम्मेलन हेतू सम्पूर्ण शक्कर, देशी घी, आटा, तेल, अलमारीयां, बैसन, सिलाई मशीन, मोड तुरगी गरजोडा साफा , दीवार घडी , हलवाई व्यवस्था की घोषणा समाज के भामाशाओ के द्वारा हाथों हाथ ही गई । वही समिति अध्यक्ष ने बताया कि बुधवार को खोडा गणेश जी को निमंत्रण दिया जायेगा।

वेद ज्ञान

मन पर रखें संयम

जैसे योग, आसन और व्यायाम के बगैर मानव शरीर पुष्ट नहीं होता, ठीक उसी प्रकार मन का कार्य उचित तरीके से संपन्न करने के लिए कुछ न कुछ मानसिक योग-व्यायाम भी आवश्यक हैं। जिस मानव में असीम शारीरिक शक्ति हो, लेकिन मन का स्वरूप विकसित न हो, उसे पूर्ण मनुष्य नहीं कहा जा सकता। क्या आपके मन में बीते हुए दुर्बल और हानिकारक विचार उत्पन्न होते हैं? ऐसे विचारों के लिए अंतःकरण शुद्ध कीजिए। इन्हें स्वच्छ करना बहुत जरूरी है। समस्त रोग, शोक, दुख, निराशा के विचार मन में विषैले जीवाणु उत्पन्न करते हैं। इसलिए इनसे मुक्त रहने का प्रयास करते रहना चाहिए। मन का मैल निकाल देने पर व्यक्ति उत्तम रीति से कार्य संपन्न कर सकता है। व्यक्ति का पहला मानसिक दोष उसकी अत्यधिक चंचलता है। स्वभावतः मन चंचल है, किन्तु उसका रंग-बिरंगी तितली की भांति एक फूल से दूसरे फूल पर मंडराना गलत है। कोई तत्व, विशेष विचार या भावना को ले लीजिए। वह चाहे जैसा शुष्क क्यों न हो, उस पर मन की समग्र वृत्तियों को एकाग्र कर दीजिए। मन कुछ समय उपरांत भागेगा, किंतु आप संयम द्वारा उसे बांधे रखिए। विचलित न होइए। इस क्रिया से मन में दृढ़ता आती है। मनन करना मन का श्रेष्ठ नहीं बल्कि सर्वश्रेष्ठ व्यायाम है। आप सारे दिन किस प्रकार के विचारों का चिंतन-मनन करते हैं, किन-किन विभिन्न वृत्तियों, भावनाओं में दिन गुजारते हैं? अपने मन के दृष्टा बनकर पूर्ण परीक्षा कीजिए। शास्त्र कहते हैं कि जो मनुष्य अपने विषय में तुच्छ विचार रखता है, वह भयंकर मानसिक रोग से पीड़ित है। एक ऊंची भावना मन में लेकर उसी विषय में निमग्न होकर विचरण करें। उसी से आत्मा को स्नान कराते रहें। शुभ विचार से द्वेष, घृणा, ईर्ष्या आदि का उद्भव नहीं होता। निरोग मन बनाने के लिए अपने ईश्वर तत्व को प्रकाशित कीजिए। आपके मन का प्रत्येक अणु ईश्वर तत्व से अनुप्राणित है। ईश्वर के मार्ग प्रकाश में अवरोध न डालिए। यदि अध्ययन, मनन या साधना के समय यदि मन को दृढ़ता से एकाग्रचित्त न किया जाए, तो उसके फल प्राप्त ही नहीं होते।

संपादकीय

एक रिपोर्ट और हंगामे हजार...

जब से अडाणी समूह को लेकर हिंडनबर्ग का सर्वेक्षण आया है, विपक्ष के निशाने पर सरकार आ गई है। विपक्षी दलों की मांग है कि इस मामले में सरकार जवाब दे। इस हंगामे के चलते संसद का बजट सत्र बार-बार स्थगित करना पड़ा। कामकाज बाधित रहे। हालांकि अडाणी समूह इस मामले में लगातार सफाई देने और अपनी स्थिति सुधारने में जुटा हुआ है, मगर शेयर बाजार में उसकी कंपनियों के शेयर लगातार नीचे की तरफ रुख किए हुए हैं। दुनिया के तीसरे नंबर के सबसे अमीर उद्यमी के पायदान से खिसक कर अडाणी शीर्ष बीस की सूची से भी नीचे चले गए हैं। ऐसे में भारतीय अर्थव्यवस्था को लेकर तरह-तरह की चिंताएं जताई जाने लगी हैं। सबसे अधिक भ्रम आम निवेशकों में फैला हुआ है, जिन्होंने विभिन्न सरकारी संस्थानों में पैसे निवेश किए हैं। इसलिए कि अडाणी

की कंपनियों में सबसे अधिक पैसा सरकारी बैंकों और भारतीय जीवन बीमा निगम जैसे संस्थानों का लगा हुआ है। हिंडनबर्ग का कहना है कि अडाणी समूह ने धोखाधड़ी करके अपनी कंपनियों के लिए सरकारी बैंकों से कर्ज लिया है और उनके शेयरों की कीमतें गलत ढंग से बढ़ा-चढ़ा कर पेश की गई हैं, जबकि वास्तव में उनका मूल्य काफी कम है। विपक्ष इसलिए सरकार पर हमलावर है कि उसका कहना है कि सरकार की सहमति से ही अडाणी समूह की कंपनियों को कर्ज दिए गए हैं। फिर यह कि जिन बैंकों ने कर्ज दिया, उन्होंने अडाणी समूह की कंपनियों की वास्तविक हैसियत का मूल्यांकन किए बिना आंख मूंद कर इतनी भारी रकम कैसे उनमें लगा दी। जीवन बीमा निगम ने भी किस आधार पर इतने बड़े पैमाने पर उसके शेयर खरीद लिए। फिर सवाल यह भी उठ रहा है कि प्रतिभूति बाजार में हुई गड़बड़ियों पर नजर रखने की जिम्मेदारी सेबी की है, वह कैसे और क्यों अपनी आंखें बंद किए बैठा रहा। अब भी जब अडाणी समूह की कंपनियों के शेयरों में भारी गिरावट देखी जा रही है, वह चुप्पी क्यों साधे हुए है। रिजर्व बैंक ने जरूर उन बैंकों से स्थिति रपट मांगी है, जिन्होंने अडाणी समूह की कंपनियों को कर्ज दिया है। मगर बहुत सारे लोगों को इस कार्रवाई पर भरोसा इसलिए नहीं हो रहा कि सरकार ने भी अभी तक चुप्पी साध रखी है। हालांकि शेयर बाजार में उथल-पुथल का असर कंपनियों की पूंजी और साख पर पड़ता है और इस बाजार के सटोरिए ऐसा खेल करते रहते हैं। मगर अडाणी समूह के शेयरों की गिरती कीमतों का मामला केवल इतना भर नहीं है। इसमें सरकार पर भी अंगुलियां उठ रही हैं कि उसी की सहमति से बैंकों ने नियम-कायदों को ताक पर रख कर कर्ज दिया। अडाणी समूह की कंपनियों के शेयरों की कीमतें गिरने से उन निवेशकों की धड़कनें बढ़ गई हैं, जिन्होंने इनमें काफी पूंजी लगा रखी है। उन्हें चिंता है कि उनकी पूंजी कभी लौट भी पाएगी या नहीं। **-राकेश जैन गोदिका**

परिदृश्य

बेबस जिंदगी

यह अपने आप में एक बड़ी विडंबना है कि देश के निर्माण में अहम भूमिका निभाने वाले कामगार अपनी मेहनत के बदले उचित पारिश्रमिक और भविष्य को लेकर तो आए दिन व्यवस्था से जूझते ही रहते हैं, रोज उन्हें ऐसी स्थितियों से गुजरना पड़ता है, जिनमें कभी भी उनकी जान जा सकती है। हाल ही में आए एक आंकड़े के मुताबिक, देश के पंजीकृत कारखानों में होने वाले हादसों में रोजाना औसतन तीन लोगों की मौत हो जाती और ग्यारह लोग घायल हो जाते हैं। अंदाजा लगाया जा सकता है कि अगर पंजीकृत कारखानों में यह तस्वीर है तो असंगठित क्षेत्र में क्या हालत होगी, जहां किसी तरह के नियम-कायदे का पालन करना जरूरी नहीं समझा जाता। इस तरह के मामलों में पीड़ित तबका आमतौर पर बेहद गरीब और उपेक्षित होता है, इसलिए उनकी पीड़ा और अधिकारों की अनदेखी भी आम है। मगर अब राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग ने कारखानों में होने वाली दुर्घटनाओं की वजह से मजदूरों की मौतों के बढ़ते मामलों को गंभीरता से लिया है। दरअसल, हाल ही में केंद्रीय श्रम मंत्रालय के एक संस्थान से प्राप्त आंकड़ों के आधार पर एक लेख में बताया गया कि 2018 से 2020 के दौरान औद्योगिक इकाइयों में होने वाले हादसों में कम से कम तीन हजार तीन सौ इकतीस लोगों की मौत हो गई। मगर अफसोसनाक यह है कि ऐसी दुर्घटनाओं के लिए महज चौदह लोगों को सजा हो पाई। इसी मसले पर मानवाधिकार आयोग ने खुद संज्ञान लेते हुए सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के मुख्य सचिवों और श्रम सचिवों को नोटिस जारी किया है और उनसे कारखानों में होने वाली दुर्घटनाओं में मजदूरों की मौतों का ब्योरा उपलब्ध कराने को कहा है। आयोग ने यह भी माना है कि देश में पंजीकृत कारखाने काफी कम हैं। इसके समांतर जो कारखाने पंजीकृत नहीं हैं, उनमें हुए हादसों और मजदूरों के हताहत होने का श्रम विभाग के पास कोई ब्योरा नहीं होता है। बल्कि पंजीकृत औद्योगिक इकाइयों में जितनी दुर्घटनाएं होती हैं, उनमें भी जानमाल की क्षति को कितने वास्तविक रूप में दर्ज किया जाता है, यह कहा नहीं जा सकता। ऐसे में यह समझना मुश्किल नहीं है कि हाशिये के तबके के रूप में पहले ही कई तरह की वंचनाओं और अधिकारों के हनन के शिकार मजदूरों को किस त्रासदी से गुजरना पड़ता होगा। कहने को सरकार ने मजदूरों की सुरक्षा और सेहत को लेकर नई संहिता बना दी है। लेकिन जमीनी स्तर पर आज भी इससे संबंधित प्रावधानों को अमल में नहीं लाया जा सका है। जबकि अक्सर ऐसे मामले सामने आते रहते हैं, जिनमें सरकारें किसी नियम को लागू करने को लेकर बेहद संवेदनशील होती हैं और इसका उल्लंघन करने के आरोपी खासतौर पर कमजोर तबकों के लोगों को कई बार सख्त सजा भुगतनी पड़ती है। मगर कारखानों में हुई दुर्घटनाओं और उसके लिए जिम्मेदार लोगों या मालिकों तक के प्रति या फिर पीड़ितों को मुआवजे की नीति को लेकर सरकार को यही सजगता दिखाने की जरूरत नहीं लगती। गौरतलब है कि देश में नब्बे फीसद से ज्यादा मजदूर असंगठित क्षेत्र में और दिहाड़ी पर काम करके गुजारा करते हैं, जहां न केवल उनकी मजदूरी की हकमारी होती है, बल्कि बुनियादी मानवाधिकारों का भी हनन होता है। यों कामगारों के अधिकारों और काम करते समय उनकी सुरक्षा का मसला शायद सबसे ज्यादा चर्चा का विषय रहा है।

आर्यिका श्री स्वस्तिभूषण माताजी ने कहा...

कर्मोतीत आत्मा सिद्ध शिला में रहती है

ज्ञानतीर्थ जैन मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा सम्पन्न। हेलीकॉप्टर से पुष्पवर्षा देख हर्षित हुए श्रद्धालू

मनोज नायक. शाबाश इंडिया

मुरेना। कर्मवद्ध आत्मा संसार में भटकती रहती है और कर्मोतीत आत्मा सिद्ध शिला में जाकर विराजमान हो जाती है । केवलज्ञान की प्राप्ति के बाद ज्ञान चेतना की अवस्था सिद्धावस्था है। इन दोनों में ध्यानसीन हुए केवली अर्हंत भगवान के लिए ही मुक्ति के महाद्वार खुल जाते हैं । जीव के मुक्त होने पर इंद्रादिकगण उसका उत्सव मनाते हैं, यही उत्सव मोक्ष अथवा निर्वाण कल्याणक कहलाता है । उक्त विचार गुरुमां गणिनी आर्यिका स्वस्तिभूषण माताजी ने ज्ञानतीर्थ पर धर्म सभा को संबोधित करते हुए व्यक्त किये। श्री ज्ञानतीर्थ पंचकल्याणक महोत्सव में प्राण प्रतिष्ठा के तहत मुनिराज श्री आदिसागर, निर्वाण प्राप्त कर भगवान आदिनाथ बन गए । इससे पूर्व प्रातः नित्य नियम पूजनादि के पश्चात विश्व शांति के लिए महायज्ञ किया गया। जैनागम के अनुसार धातु अथवा पाषाण की मूर्ति के पंचकल्याणक किये जाते हैं । गर्भ, जन्म, तप, ज्ञान कल्याणक के पश्चात मोक्ष कल्याणक की क्रियाएं की जाती हैं। दिगम्बराचार्य उक्त मूर्ति को सूर्य मंत्र देते हैं। उसके बाद वह धातु अथवा पाषाण की मूर्ति भगवान बन जाती है। जैन समाज के सुप्रसिद्ध प्रतिष्ठाचार्य बाल ब्रह्मचारी जयकुमार निशांत ने बताया कि श्री ज्ञानतीर्थ क्षेत्र में श्री ज्ञानसागर जी महाराज के आशीर्वाद एवं प्रेरणा से नवनिर्मित जिन मन्दिर में विराजमान 16 फुट ऊची पाषाण की पद्मासन मूर्ति आदिनाथ भगवान की प्राण प्रतिष्ठा हेतु छः दिबसीय पँचकल्याक महोत्सव का आयोजन किया गया। महोत्सव के अंतिम दिन मुनिराज आदिसागर जी मोक्ष पद प्राप्तकर भगवान श्री 1008 आदिनाथ बन गए। श्री पंचकल्याक महोत्सव में सप्तम पट्टाचार्य श्री ज्ञेयसागर जी, आचार्य विनीत सागर जी, गणिनी आर्यिका लक्ष्मीभूषण, सृष्टिभूषण, स्वस्तिभूषण, आर्षमति माताजी सहित 50 से अधिक का सानिध्य प्राप्त हुआ । कार्यक्रम का मुख्य निर्देशन स्वस्तिधाम प्रणेत्री गुरुमां गणिनी आर्यिका स्वस्तिभूषण माताजी ने किया। इस ऐतिहासिक खुशी के अवसर पर जैन समाज में काफी हर्षोल्लास का माहौल था। इस पुनीत अवसर पर ज्ञानतीर्थ क्षेत्र जैन मंदिर पर हेलीकॉप्टर द्वारा पुष्प वर्षा की गई। हेलीकॉप्टर ने लगातार 5 उड़ान भरकर निरन्तर ज्ञानतीर्थ जैन मंदिर की परिक्रमा करते हुए हेलीकॉप्टर में सवार साधर्मी बन्धुओं ने पुष्प वर्षा की। पाषाण की प्रतिमा के भगवान बनने के बाद 108 स्वर्ण कलशों से मस्तकाभिषेक किया गया । ततपश्चात भगवान आदिनाथ जी को रथ में वैठाकर उनकी सवारी निकाली गई। समारोह में हाथी, बग्घी, बैंड बाजों के साथ हजारों की संख्या में महिला एवं पुरुष मौजूद थे।

ऐतिहासिक खुशी के अवसर पर जैन समाज में काफी हर्षोल्लास का माहौल था। इस पुनीत अवसर पर ज्ञानतीर्थ क्षेत्र जैन मंदिर पर हेलीकॉप्टर द्वारा पुष्प वर्षा की गई। हेलीकॉप्टर ने लगातार 5 उड़ान भरकर निरन्तर ज्ञानतीर्थ जैन मंदिर की परिक्रमा करते हुए हेलीकॉप्टर में सवार साधर्मी बन्धुओं ने पुष्प वर्षा की...

दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप सन्मति द्वारा निःशुल्क "मेडिकल कैंप एवं नेत्र जांच शिविर" का सफल आयोजन

250 व्यक्तियों ने लिया शिविर का लाभ

जयपुर. शाबाश इंडिया। दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप सन्मति द्वारा निःशुल्क मेडिकल कैंप एवं नेत्र जांच शिविर 5 फरवरी को जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन राजस्थान रिजन, जयपुर के तत्वावधान मे राजस्थान हॉस्पिटल जे एल एन मार्ग जयपुर पर प्रातः 10 से 2 तक आयोजित किया गया। सन्मति अध्यक्ष राकेश - समता गोदिका एवं सचिव अनिल - निशा संघी ने बताया कि शिविर के दीप प्रज्वलन कर्ता सीतापुरा इंडस्ट्रीज एसोशियेशन के संरक्षक सुभद्र पापड़ीवाल तथा मुख्य अथिति नेशनल रोड सेफ्टी कौंसिल के सदस्य निर्मल जैन सोगनी थे। राजस्थान अस्पताल के डॉक्टर सर्वेश अग्रवाल ने समारोह की अध्यक्षता की। समारोह मे फेडरेशन के वरिष्ठ परामर्शक महेन्द्र कुमार पाटनी, राष्ट्रीय कार्याध्यक्ष सुरेंद्र कुमार मृदुला पांड्या, राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष अतुल बिलाला की भी गौरवमय उपस्थिति रही। रिजन अध्यक्ष राजेश बडजात्या व महासचिव निर्मल संघी ने बताया कि शिविर मे निम्न विशेषज्ञ डॉक्टरों ने अपनी सेवाये निशुल्क दीः ह्रदय रोग विशेषज्ञ- डॉ कैलाश चंद्रा, हड्डी रोग विशेषज्ञ - डॉ जितेश जैन, डायबीटीज विशेषज्ञ - डॉ. प्रियाश्री कटेवा, स्त्री रोग विशेषज्ञ- डॉ. प्रियंका शर्मा, जनरल फिजिशियन - डॉ. डी के जैन, ई एन टी विशेषज्ञ - डॉ पंकज सिंह, नेत्र रोग विशेषज्ञ - डॉ करिश्मा गोयल, कैंसर रोग विशेषज्ञ - डॉ सरजीत सैनी। शिविर में उपलब्ध निशुल्क जांच सुविधा : बीएमडी, फाइब्रो स्कैन (सुबह 10 बजे से दोपहर 12 बजे तक), पैप स्मीयर (महिला के लिए), मैमोग्राफी (महिला के लिए), लिपिड प्रोफाइल, रैंडम शुगर का सभी ने लाभ उठाया। सन्मति ग्रुप के कार्याध्यक्ष मनीष लोंग्या ने जानकारी दी कि शिविर मे रिजन कार्याध्यक्ष सुनील बज, कोषाध्यक्ष पारस कुमार जैन, नवकार ग्रुप अध्यक्ष मोहनलाल गंगवाल, वीर अध्यक्ष नीरज जैन, सांगिनी फॉर एवर अध्यक्ष शकुंतला बिंदायका, मेन ग्रुप के राजेंद्र जेन, णमोकार जैन, कैलाश बिंदायका, राजेंद्र रावका, इंद्र कुमार जैन सहित अनेक ग्रुपो के पदाधिकारियों , राजस्थान जैन सभा के कोषाध्यक्ष राकेश छाबड़ा, महावीर स्कूल के पूर्व प्राचार्य बाबू लाल गोदिका आदि गणमान्य नागरिकों ने उपस्थित होकर का मनोबल बढ़ाया तथा मानव सेवार्थ आयोजित शिविर के सफल आयोजन के लिए बधाई दी। शिविर के मुख्य समन्वयक यश कमल अजमेरा व समन्वयक राकेश संघी, कमल ठोलिया, प्रदीप जैन तथा सयोजक नितेश पांडया के द्वारा किये गये प्रयासों से शिविर सफल रहा। अंत मे ग्रुप अध्यक्ष राकेश गोदिका ने राजस्थान अस्पताल द्वारा प्रदत निशुल्क सुविधाओं व सुंदर व्यवस्था के लिए अस्पताल स्टॉफ विशेष रूप से राजस्थान अस्पताल के **Head, Business Developments** वरुण सिंह का धन्यवाद किया।

दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में "स्वतंत्रता-संग्राम में जैन" पर हुई चर्चा

इतिहास के पन्नों में दबे स्वतंत्रता सेनानियों की जानकारी बाहर लाना देश की बड़ी सेवा: डॉ. आलोक त्रिपाठी

लाडनूं. शाबाश इंडिया

सरदार वल्लभ भाई पटेल पुलिस सुरक्षा एवं आपराधिक न्याय विश्वविद्यालय जोधपुर के कुलपति डॉ. आलोक त्रिपाठी ने कहा है कि आजादी की लड़ाई केवल स्वतंता प्राप्त होने तक ही समाप्त नहीं हो गई थी, बल्कि आज स्वतंत्रता के सामने नई चुनौतियां मौजूद हैं, जिनका मुकाबले के लिए नए संघर्ष व नए तरीके होंगे। वे यहां भारतीय इतिहास अनुसंधान परिषद नई दिल्ली के प्रायोजन में यहां जैन विश्वभारती संस्थान मान्य विश्वविद्यालय के जैनविद्या एवं तुलनात्मक धर्म व दर्शन विभाग के तत्वावधान में आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी के उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में बोल रहे थे। उन्होंने ह्यभारत की स्वतंत्रता-संग्राम में जैन स्वतंत्र्य-सैनानियों का भूले-बिसरे इतिहासह्न विषय पर आयोजित इस राष्ट्रीय सेमिनार में आजादी के सेनानियों को लेखबद्ध करने की जरूरत बताते हुए कहा कि इतिहास के पन्नों में दबे स्वतंत्रता सेनानियों की जानकारी को बाहर लाना देश की बहुत बड़ी सेवा होगी। इतिहास में तथ्य होते हैं और ये तथ्य आईना होते हैं। महात्मा गांधी के पीछे जैन समाज के तथ्य ही थे और उन्हीं को लेकर वे आगे बढे थे। आवश्यक है इतिहास का पुनर्लेखन यहां आचार्य महाप्रज्ञ-महाश्रमण आडिटोरियम मे आयोजित इस सेमिनार की अध्यक्षता करते हुए जैविभा के कुलपति प्रो. बच्छराज दूगड़ ने कहा कि जैन समाज ने स्वतंत्रता के लिए अहुत बलिदान दिए हैं। इनका इतिहास भले ही लिखा गया या नहीं लिखा गया हो, लेकिन इन बलिदानों को भुलाया नहीं जा सकता है। उन्होंने कहा कि इतिहास अपने स्वार्थों से लिखा जाता है। इसीलिए आज इतिहास के पुनर्लेखन पर कार्य चल रहा है। यह आवश्यक भी है, क्योंकि जिस नजरिए से देश का इतिहास लिखा गया, वह अंग्रेजों का था। उन्होंने आजादी के पूर्व और आजादी के बाद तब तक जैन समाज के देश को दिए गए योगदान का जिक्र किया और बताया कि आज देश में मात्र 0.37 प्रतिशत जैन आबादी है, लेकिन देश के कुल दान का 60 प्रतिशत हिस्सा जैन समाज का है। देश के कुल टेक्स का 24 प्रतिशत हिस्सा जैन समाज के लोग देश को देते हैं। देश में सबसे ज्यादा गौशालाओं का संचालन जैन समाज के लोग कर रहे हैं। जैन समाज के पांच हजार लोगों ने की जेल-यात्राएं राष्ट्रीय सेमिनार की विशिष्ट अतिथि डॉ. ज्योति जैन (खतौली) ने प्रारम्भ में विषय प्रवर्तन करते हुए कहा कि जब आजादी का अमृम महोत्सव मनाया जा रहा है तो ऐसे में हमें भुला दिए गए आजादी के संघर्ष करने वाले शूरवीरों को भी याद करना चाहिए। 1857 से लेकर 1947 तक आजादी के लिए बहुत बलिदान दिए गए। उनकी शोध की गई है, जिसमें पता चला कि आजादी के लिए जैन समाज का बहुत योगदान रहा था। व्यक्ति किसी भी पद पर रह कर देश की सेवा कर सकता है। जैन समाज के लोगों ने स्वयं संघर्ष में सीधा भाग लिया, वहीं बहुत सारे जेलों में बंद लोगों के परिवार के भरण-पोषण का बीड़ा भी उठाया। डा. जैन ने बताया कि आजादी के लिए जैन समाज के 5 हजार लोगों ने जेल-यात्राएं की और करीब 22 ने अपना बलिदान तक दिया था। महिलाएं भी स्वतंत्रता आंदोलन में पीछे नहीं रहीं, उन्होंने भी जेल-यात्राएं की थी। वे जुलूसों में शामिल होकर नारे लगाती थी और राष्ट्र की जागृति का काम करती थी। देश के संविधान के निर्माण में भी अनेक जैन समाज के लोगों का योगदान रहा था। राष्ट्रीय सेमिनार के उद्घाटन सत्र के प्रारम्भ में जैन विद्या विभाग की विभागाध्यक्ष प्रो. समणी ऋजुप्रज्ञा ने स्वागत वक्तव्य प्रस्तुत किया। कुलसचिव प्रो. बीएल जैन ने अतिथियों का परिचय प्रस्तुत किया। सेमिनार का प्रारम्भ समणी प्रणव प्रज्ञा के मंगल संगान से किया गया। अंत में संगोष्ठी समन्वयक समणी अमलप्रज्ञा ने आभार ज्ञापित किया। कार्यक्रम का संचालन प्रो. आनन्द प्रकाश त्रिपाठी ने किया।

जैन दर्शन के अनुसार देश का प्रत्येक नागरिक जैन है: प्रो. दुबे

5 फरवरी को दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी के समापन समारोह के मुख्य अतिथि रामानन्द विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. रामसेवक दुबे ने कहा है कि जैन दर्शन के सिद्धांतों के अनुसार इस देश का प्रत्येक नागरिक जैन ही है। सत्य, अस्तेय, ब्रह्मचर्य, अहिंसा, अपरिग्रह का कोई विरोध नहीं कर सकता है। हर व्यक्ति को दैहिक, दैविक व भौतिक दुःखों से मुक्ति के लिए जैन दर्शन मागदर्शक सिद्ध होता है। विषयों के समग्र प्रतिपादन के लिए अनेकांत उपयोगी है। उन्होंने कहा कि देश को पराधीनता से मुक्ति दिलवाने के लिए जैन समाज के लोगों ने भी प्राणों की बाजी लगाई थी। उनका इतिहास लिखा जाना चाहिए। समारोह की अध्यक्षता करते हुए जैविभा विश्वविद्यालय के विशिष्ट अधिकारी प्रो. नलिन के. शास्त्री ने कहा कि जैन को जातिवाद में बांधने के बजाए कर्मणा जैन की संतों की कल्पना को साकार करना चाहिए। उन्होंने कलिंग नरेश खारवेल से लेकर चन्द्रगुप्त, चामुंडराय आदि से होते हुए राज्य

व्यवस्थाओं व सैन्य कार्यों सेजुड़े लोगों के बारे में बताया और नेताजी सुभाष बोस के सहयोगी रहे राजकुमार काशलीवाल और अन्य स्वतंत्रता आंदोलन से सम्बद्ध रहे जैन समाज के लोगों का विवरण देते हुए योगदान को उल्लेखित किया। विशिष्ट अतिथि साहित्य संस्कृति विद्यापीठ के पूर्व निदेशक प्रो. देव कोठारी ने भी अपने चिार रखते हुए संगोष्ठी के विषय की उपादेयता बताई और जैन समाज की सहभागिता को प्रतिपादित किया। कार्यक्रम में प्रो. सुषमा सिंघवी व प्रो. जिनेन्द्र कुमार जैन ने राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लेने के अपने दो दिनों के अनुभवों को साझा किया और संगोष्ठी की उपयोगिता बताई। प्रारम्भ में कार्यक्रम समन्वयक डा. समणी अमलप्रज्ञा ने दो दिवसीय संगोष्ठी का प्रगति प्रतिवेदन प्रस्तुत किया तथा परीक्षा नियंत्रक डॉ युवराज सिंह संगारोत ने अतिथियों का परिचय प्रस्तुत किया।

जैन मिलन सेंट्रल द्वारा आयुर्वेदिक चिकित्सा शिविर आयोजित

अशोकनगर. शाबाश इंडिया

जैन मिलन सेंट्रल द्वारा ग्राम चिरौला में निशुल्क आयुर्वेदिक चिकित्सा परामर्श एवं दवा वितरण शिविर का आयोजन किया गया। जैन मिलन सेंट्रल के अध्यक्ष सचिन जैन बारी एवं मंत्री अजीत जैन ने जानकारी देते हुए बताया कि रविवार को ग्राम चिरौला में आयुष विभाग के सहयोग से निशुल्क आयुर्वेदिक चिकित्सा परामर्श एवं दवा वितरण शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें जिला आयुष अधिकारी विनोद आर्य के निर्देशन में उपेंद्र रघुवंशी, डॉ.दीपाली चौधरी ने अपने सहयोगी स्टॉफ विकास, दिलीप, मंजू, मधुर लता आदि के सहयोग से 423 मरीजों का परीक्षण कर सभी को दवा वितरित की। शिविर शुभारंभ के अवसर पर सांसद प्रतिनिधि कैलाश रघुवंशी, श्रीमती शर्मा सरपंच,भारतीय जैन मिलन के राष्ट्रीय संयुक्त मंत्री महेंद्र कडेसरा, राष्ट्रीय संयोजक प्रमोद छाया, क्षेत्रीय कोषाध्यक्ष जितेंद्र जैन सहित अन्य उपस्थित थे।

शक्ति नगर से पदमपुरा के लिये पदयात्रा आयोजित

जयपुर. शाबाश इंडिया

जैन पैदल यात्रा संघ द्वारा श्री 1008 चंद्रप्रभु भगवान दिगंबर जैन मंदिर , शक्तिनगर से श्री 1008 पदमपुर भगवान जैन मंदिर, बड़ा पदमपुरा के लिए पद यात्रा आयोजित की गई। रविवार, दिनांक 5 फरवरी को जैन पैदल यात्रा संघ , जयपुर द्वारा श्री 1008 दिगंबर जैन मंदिर , शक्तिनगर से प्रातः 5:25 बजे अनिल कुमार जैन, AEN के नेतृत्व में पद यात्रा शुरू की गई। यह यात्रा त्रिवेणी नगर चौराहा से टोंक रोड होते हुए शिवदासपुरा से पदमपुरा लगभग 30 किलोमीटर दूरी चल कर बाड़ा पदमपुरा जैन मंदिर पहुंची। इस यात्रा में 53 पदयात्री शामिल हुए। पदमपुरा जैन मंदिर पहुंचकर सभी पद यात्रियों ने सामूहिक श्री पदम प्रभु भगवान की व पंच परमेष्ठी भगवान की आरती व चालीसा की। मंदिर परिसर ने बैठकर योगेंद्र जैन व गौरव जैन एंड पार्टी द्वारा भजनों की प्रस्तुति दी गई । सभी पद यात्रियों ने भक्ति का आनंद लिया। वापसी बस यात्रा के द्वारा की गई।

अन्तर्मना आचार्य श्री प्रसन्न सागर जी ने कहा...

फूलों ने कभी भौरे को इनवीटेशन कार्ड नहीं दिया कि आओ मैं खिल गया हूँ, मेरा मकरंद लो

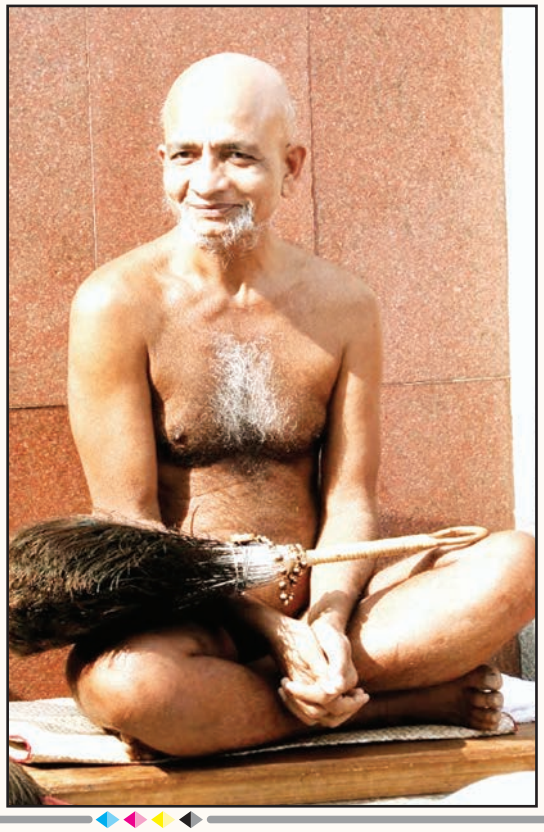

सम्मेद शिखर जी. शाबाश इंडिया

सूरज कभी नहीं कहता - मेरे में कितना तेज है। सागर कभी नहीं कहता - मैं कितना गहरा हूँ। आज हम आलोचना सुनकर नहीं, बल्कि प्रशंसा सुनकर बर्बाद हो रहे हैं। स्वयं की प्रशंसा सुनकर फूलना यानि दुःख में कूलने का निमंत्रण है। आज हमारी सबसे बड़ी कमजोरी स्वयं की प्रशंसा सुनना बन गया है। जब तक लोग हमारी प्रशंसा करते हैं, गुणानुवाद करते हैं, तब तक वो हमारे परम मित्र है, परम भक्त है, परम हितैषी है। बल्कि होना ये चाहिए कि हम अपने गुणों को, सत्कार्यों को, नेक कार्यों को, इनता श्रेष्ठ बनायें जिससे सामने वाला आपको देखकर आपका मुरीद हो जायेगा। गुणों से प्रभावित होने वाले, हो सकता है वो आपकी, आपके सामने प्रशंसा ना करे लेकिन मन ही मन आपको अपना आदर्श बना कर अपनी चेतना को प्रकाशित कर ले। इसलिए कोई भी कार्य करें तो प्रशंसा सुनने की अपेक्षा ना रखें। अपने कार्य को इतनी ईमानदारी और मनोभाव से करें, कि शत्रु भी आपकी सफलता एवं समर्पण के सामने नतमस्तक हो जाये।

नरेंद्र अजमेरा, पियुष कासलीवाल औरंगाबाद।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com